चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जीन्द

(प्रदेश विधायिका एक्ट 28, 2014 के तहत)

बी० ए० (प्रोग्राम) हिन्दी पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर आधारित

सत्र 2023-24 से चरणबद्ध रूप से प्रभावी

स्कीम	कोर्स	कोर्स कोड	कोर्स का नाम	क्रेडिट	शिक्षण	परीक्षा योजना			
					घण्टे/प्रति सप्ताह	परीक्षा अंक	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	समय
सेमेस्टर-I									
A & C	CC-1 MCC-1	B23-HIN-101	हिन्दी भाषा और साहित्येतिहास	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
केवल C	MCC-2	B23-HIN-102	भाषा विज्ञान	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
केवल A	CC-M11	B23-HIN-103	हिन्दी भाषा और साहित्य	2	02	35	15	50	2 घण्टे
A & C	MDC-1	B23-HIN-104	हिन्दी भाषा एवं लिपि	3	2+1 (Tutorial)	50	25	75	3 घण्टे
सेमेस्टर-II									
A & C	CC-2 MCC-3	B23-HIN-201	मध्यकालीन हिन्दी कविता	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
केवल C	DSEC-1	B23-HIN-202	कला और साहित्य	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
केवल A	CC-M12	B23-HIN-203	तकनीकी हिन्दी	2	02	35	15	50	2 घण्टे
A & C	MDC-2	B23-HIN-204	हिन्दी साहित्य का इतिहास	3	2+1 (Tutorial)	50	25	75	3 घण्टे
सेमेस्टर-III									
A, B & C	CC-3 MCC-4	B23-HIN-301	हिन्दी गद्य साहित्य	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
B & C	MCC-5	B23-HIN-302	हिन्दी उपन्यास	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
A, B & C	MDC-3	B23-HIN-303	हिन्दी गद्य साहित्य	3	2+1 (Tutorial)	50	25	75	3 घण्टे
सेमेस्टर-IV									
A, B & C	CC-4 MCC-6	B23-HIN-401	आधुनिक हिन्दी कविता	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
B & C	MCC-7	B23-HIN-402	हिन्दी नाटक एवं रंगमंच	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
B & C	MCC-8	B23-HIN-403	कथेतर गद्य साहित्य	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
B & C	DSE-1	B23-HIN-404	समाचार लेखन एवं संपादन कला	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
A & C	CCM-4 (VOC)	B23-HIN-405	प्रयोजनमूलक हिन्दी	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे

आन्तरिक मूल्यांकन योजना

आन्तरिक मूल्यांकन अंक योजना

कोर्स क्रेडिट	आन्तरिक मूल्यांकन अंक योजना				परीक्षा अंक	कुल अंक
	कक्षा सहभागिता	लेखन कार्य/प्रस्तुति	मध्यावधि परीक्षा	कुल अंक		
2	4	4	7	15	35	50
3	5	8	12	25	50	75
4	5	10	15	30	70	100

प्रदत्त नियत कार्य (Assignment Work) एवं मध्यावधि परीक्षा हेतु निर्देश

- पाठ्यचर्चा के अन्तर्गत प्रत्येक सत्र में प्रदत्त नियत कार्य का लेखन एवं प्रस्तुति अति आवश्यक है।
- प्रदत्त कार्य प्रस्तुति नियमावली अनुसार ही होनी चाहिए।
- प्रदत्त नियत कार्य निर्धारित समय पर जमा करवाना अनिवार्य है।
- लेखन कार्य प्रदत्त विषयों के अनुरुप ही किया जाना अनिवार्य है।
- लेखन कार्य विद्यार्थी स्वयं सम्पन्न करें। किसी अन्य द्वारा लिखा अथवा टंकण कार्य स्वीकार्य नहीं होगा।
- लेखन के लिए केवल नीले रंग की स्याही और कोरे सफेद A4 साइज पेपर का प्रयोग किया जाए।
- लेखन के लिए 6 से 8 एक तरफा लिखे हुए पृष्ठों का संयोजन अनिवार्य है।
- केवल हिन्दी के विराम चिह्नों का ही प्रयोग करें। अन्य किन्हीं चिह्नों से युक्त कार्य स्वीकार्य नहीं होगा।
- प्रदत्त नियत लेखन कार्य में अधोरेखांकन (अंडरलाइन) का प्रयोग वर्जित है।
- अपना सुव्यवस्थित स्वं हस्ताक्षरित लेखन कार्य यथा समय विभाग के संबंधित प्राध्यापक को ही सौंपे।
- निर्धारित मध्यावधि परीक्षा में अनुपस्थित रहने पर मूल्यांकन अंक नहीं दिए जाएगें।
- निर्धारित समय के बाद मध्यावधि परीक्षा स्वीकार्य नहीं होगी।
- कक्षा एवं विभागीय आयोजनों में सहभागिता मूल्यांकन का हिस्सा रहेगी।

सेमेस्टर-I CC-1, MCC-1

B23-HIN-101 हिन्दी भाषा और साहित्येतिहास

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी भाषा और साहित्य के इतिहास से परिचय। साहित्येतिहास दृष्टि का विकास।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

101.1 हिन्दी साहित्य के विभिन्न पड़ावों, आन्दोलनों की जानकारी।

101.2 मध्यकाल के विभिन्न सम्प्रदायों की दार्शनिक पृष्ठभूमि का ज्ञान।

101.3 साहित्येतिहास लेखन के महत्व एवं लेखन की प्रक्रिया का परिचय।

101.4 भारतीय इतिहास के परिवर्तनों व उसके साहित्य पर पड़े प्रभावों की पहचान।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक रुप में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 40 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से दस प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 10 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि स्वं अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक सूझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास; हिन्दी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ; साहित्यिक भाषा के रुप खड़ी बोली का विकास; देवनागरी लिपि का विकास; देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता।

इकाई-2 फोर्ट विलियम कॉलेज और हिन्दी गद्य का विकास; स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रभाषा के रुप में हिन्दी का विकास; भारतीय संघ की राजभाषा के रुप में हिन्दी का विकास; मानक हिन्दी का स्वरुप।

इकाई-3 साहित्येतिहास : अर्थ एवं स्वरुप; हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा; हिन्दी साहित्येतिहास का काल विभाजन और नामकरण।

इकाई-4 हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि और परिवेश; आदिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ; भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण; भक्तिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ।

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी भाषा एवं लिपि – ब्रजपाल
- साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
- हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएं – अवधेश प्रधान
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरुप चतुर्वेदी

सेमेस्टर-I MCC-2

B23-HIN-102 भाषा विज्ञान

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी भाषा परिचित करवाना। हिन्दी भाषा के सिद्धांतों से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

102.1 भाषा विज्ञान के विभिन्न अवयवों की जानकारी।

102.2 भाषा वैज्ञानिकों एवं उनके सिद्धांतों की जानकारी।

102.3 भाषा परिवर्तन की स्वाभाविक प्रक्रिया से परिचय।

102.4 भाषायी आधार पर साहित्य के अध्ययन की जानकारी।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 40 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से दस प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड 10 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 भाषा : अर्थ, परिभाषा और उपयोगिता; भाषा की प्रकृति; भाषा विकास के सोपान; भाषा के विभिन्न रुप।

इकाई-2 भाषा विज्ञान : स्वरूप और क्षेत्र; भाषा विज्ञान के अंग और शाखाएँ; भाषा विज्ञान की उपयोगिता; भाषा विज्ञान का अन्य विषयों से संबंध।

इकाई-3 ध्वनि विज्ञान : अर्थ और उपयोगिता; ध्वनि विज्ञान की शाखाएँ; वाग्य यन्त्र और उनका वर्गीकरण; हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण; ध्वनिगुण- मात्रा, आघात, बलाघात, सुर, संगम।

इकाई-4 शब्द : अर्थ, स्वरूप और प्रकार; अर्थ : स्वरूप और महत्व; शब्द और अर्थ का संबंध।

सहायक पुस्तकें

- भाषा विज्ञान – डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी
- सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ॰ बाबूराम सक्सेना
- भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा – राजनाथ भट्ट
- भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – मुकेश अग्रवाल
- भाषा विज्ञान की भूमिका – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
- भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – राम छबीला त्रिपाठी
- आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत – रामकिशोर शर्मा

सेमेस्टर-I CC-M11

B23-HIN-103 हिन्दी भाषा और साहित्य

क्रेडिट : 2 अंक : 50

समय : 2 घण्टे परीक्षा अंक : 35, आंतरिक मूल्यांकन : 15

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी भाषा और साहित्य से परिचित करवाना। साहित्यिक दृष्टि विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

103.1 कल्पना-शक्ति और रचनात्मकता का विकास।

103.2 हिन्दी भाषा के विभिन्न पड़ावों, आन्दोलनों की जानकारी।

103.3 भाषा परिवर्तन व उसके साहित्य पर पड़े प्रभावों की पहचान।

103.4 हिन्दी साहित्यकारों का जीवन-दर्शन और स्वभावगत महानता से अवगत।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचना में से दो पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किसी एक पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 06 अंक का होगा।
- **समीक्षात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर समीक्षात्मक रूप में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 07 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 14 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से चार प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 08 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड 07 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि स्वं अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक सूझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) व्याख्या के लिए

पथ के साथी (संस्मरण) – महादेवी वर्मा

(ख) समीक्षात्मक प्रश्नों के लिए

इकाई-1 भाषा : अर्थ, स्वरूप और विशेषताएँ; भाषा और संस्कृति का अंतसंबंध; भाषा और साहित्य; भाषा में साहित्य की भूमिका।

इकाई-2 हिन्दी भाषा का उद्‌भव एवं विकास; हिन्दी की उपभाषाएं एवं बोलियाँ; साहित्यिक भाषा के रूप में खड़ी बोली विकास; देवनागरी लिपि का विकास; देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता।

इकाई-3 फोर्ट विलियम कॉलेज और हिन्दी गद्य का विकास; स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी का विकास; भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास; मानक हिन्दी का स्वरूप।

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी भाषा एवं लिपि – ब्रजपाल
- भाषा विज्ञान – डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
- हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी

सेमेस्टर-I MDC-1

B23-HIN-104 हिन्दी भाषा एवं लिपि

क्रेडिट : 3 अंक : 75

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 50, आंतरिक मूल्यांकन : 25

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी भाषा के इतिहास से परिचित करवाना। हिन्दी भाषा के मानक स्वरूप से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

104.1 भाषा का मानव जीवन में योगदान।

104.2 हिन्दी भाषा के मानक स्वरूप की जानकारी।

104.3 देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता से परिचय।

104.4 हिन्दी भाषा की ऐतिहासिक यात्रा की जानकारी।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **आलोचनात्मक प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से पांच प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 30 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से पांच प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि स्वं अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक सूझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 भाषा : अर्थ, स्वरूप और विशेषताएँ; भाषा और संस्कृति का अंतसंबंध; भाषा और साहित्य; भाषा में साहित्य की भूमिका।

इकाई-2 हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास; हिन्दी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ; साहित्यिक भाषा के रूप में खड़ी बोली का विकास; देवनागरी लिपि का विकास; देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता।

इकाई-3 मानक हिन्दी में शब्द भण्डार एवं स्त्रोत; मानक हिन्दी की रूप संरचना- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण; उपसर्ग, प्रत्यय और अव्यव; मानक हिन्दी की वाक्य संरचना- अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार।

इकाई-4 हिन्दी भाषा के विविध रूप; भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास; मानक हिन्दी का स्वरूप।

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी भाषा एवं लिपि – ब्रजपाल
- भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा – राजनाथ भट्ट
- भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – मुकेश अग्रवाल
- भाषा विज्ञान की भूमिका – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
- भाषा विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र – डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी
- भाषा विज्ञान : हिन्दी भाषा और लिपि – रामकिशोर वर्मा

सेमेस्टर-II CC-2, MCC-3

B23-HIN-201 मध्यकालीन हिन्दी कविता

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

मध्यकालीन हिन्दी कविता से परिचय। मध्यकालीन हिन्दी कविता के अध्ययन की दृष्टि निर्मित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

201.1 मध्यकालीन हिन्दी कविता एवं कवियों से परिचय।

201.2 मध्यकालीन हिन्दी कविता के काव्य-सरोकार व शिल्प का बोध।

201.3 मध्यकालीन हिन्दी कविता की आलोचनात्मक समझ का विकास।

201.4 मध्यकालीन कविता की विभिन्न धाराओं की विशिष्टताओं की पहचान।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 12 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम में से रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना, विषयवस्तु, सामाजिक सरोकार, कलागत वैशिष्ट्य, प्रासंगिकता आदि से संबंधित आंतरिक विकल्प सहित तीन प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 30 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना एवं विषयवस्तु पर केंद्रित सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) व्याख्या के लिए

कबीरदास : [पद संख्या – 1, 2, 3, 5, 8, 11, 12, 13, 16, 20, 22, 24, 26, 27, 30, 33, 35, 40]
कबीर – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन

सूरदास : [पद संख्या – 3, 4, 7, 9, 11, 16, 18, 21, 22, 24, 30, 34, 37, 42, 45]
भ्रमरगीत सार – सं० रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन

तुलसीदास : [पद संख्या – 90, 101, 102, 105, 111, 112, 115, 116, 117, 119, 120, 121]
विनय पत्रिका – सं० वियोगी हरि, अरिहन्त प्रकाशन, जोधपुर

बिहारी : [दोहा संख्या – 1, 5, 7, 9, 10, 11, 15, 19, 20, 21, 22, 25, 28, 32, 38, 42]
बिहारी रत्नाकर – सं० जगन्नाथदास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन

(ख) आलोचनात्मक एवं लघुत्तरी प्रश्नों के लिए

कबीरदास, सूरदास, मीराबाईं, तुलसीदास, बिहारी, घनानन्द।

सहायक पुस्तकें

- सूरदास – ब्रजेश्वर शर्मा
- मीराबाई – परशुराम चतुर्वेदी
- कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत
- गोस्वामी तुलसीदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

सेमेस्टर-II DSEC-1

B23-HIN-202 कला और साहित्य

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

कला और साहित्य से परिचित करवाना। कला और साहित्य अध्ययन की दृष्टि निर्मित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

202.1 कला और साहित्य से परिचय।

202.2 साहित्य और अन्य कलाओं के अंतरसंबंधों का बोध।

202.3 साहित्य और कला के विभिन्न आयामों की आलोचनात्मक समझ।

202.4 साहित्य व कला के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों की समझ का विस्तार।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 40 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से 7 प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 20 अंक का होगा।
- **प्रायोगिक प्रश्न** – पाठ्यचर्या की प्रकृति के अनुरूप विकल्प सहित एक निबंधात्मक प्रश्न दिया जाएगा। प्रश्न का उत्तर लगभग 300-500 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 10 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 कला : अर्थ एवं स्वरूप; साहित्य : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप; कला और साहित्य का अन्तसंबंध; कला और समाज का अन्तसंबंध।

इकाई-2 भारतीय कला का विकास; कला और हिन्दी साहित्य के संबंध की परम्परा; साहित्य और समाज; साहित्य और मनोविज्ञान; साहित्य और दर्शन।

इकाई-3 लोक कला : स्वरूप, विशेषताएँ और प्रकार; लोक कला के विभिन्न संदर्भ; लोक कला और साहित्य; साहित्य के मूल्यांकन में लोक कला का महत्व;

इकाई-4 कला कला के लिए; कला जीवन के लिए; वर्तमान परिप्रेक्ष्य में साहित्य और कला की उपयोगिता; साहित्य, कला और बाज़ार।

सहायक पुस्तकें

- कला और संस्कृति – रजनी
- साहित्य और समाज – रामधारी सिंह दिनकर
- साहित्य और कला – भगवतीशरण उपाध्याय
- साहित्य के सिद्धांत और रूप – भगवतीचरण वर्मा
- कार्ल मार्क्स : कला और साहित्य चिंतन – नामवर सिंह

सेमेस्टर-II CC-M12

B23-HIN-203 तकनीकी हिन्दी

क्रेडिट : 2 अंक : 50

समय : 2 घण्टे परीक्षा अंक : 35, आंतरिक मूल्यांकन : 15

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

तकनीकी हिन्दी से परिचित करवाना। कम्प्यूटर पर हिन्दी के सॉफ्टवेयरों का अनुप्रयोग कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

203.1 तकनीकी हिन्दी से परिचय।

203.2 हिन्दी यूनीकोड के प्रयोग के महत्व की समझ।

203.3 कम्प्यूटर पर हिन्दी के लेखन व प्रकाशन की समझ।

203.4 कम्प्यूटर पर हिन्दी के विविध सॉफ्टवेयरों का अनुप्रयोग।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **समीक्षात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर समीक्षात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 08 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 16 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से पांच प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 07 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु किसी भी विषय पर हिन्दी यूनिकोड फॉन्ट में पॉवर प्वाइंट प्रजेन्टेशन (PPT) का निर्माण, वर्ड फाइल (MS Word, Pages), गूगल फॉर्म निर्माण, वीडियो रिकॉर्डिंग क्लिप, ब्लॉग लेखन एवं पाठ्यक्रम की प्रकृति के अनुरूप व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 कंप्यूटर में हिन्दी का आरम्भ और विकास; कंप्यूटर और हिन्दी : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ; कंप्यूटर में हिन्दी के विभिन्न प्रयोग; हिन्दी के महत्त्वपूर्ण सॉफ्टवेयर्स।

इकाई-2 हिन्दी फ़ॉण्ट का अनुप्रयोग : यूनीकोड से पूर्व एवं उसके पश्चात्; हिन्दी में एमएस वर्ड में कार्य; हिन्दी में पावर प्वॉइंट का निर्माण।

इकाई-3 हिन्दी वेब डिज़ाइनिंग, हिन्दी वेबसाइट्स, हिन्दी ई-पोर्टल और हिन्दी ई-पत्र-पत्रिकाएँ : विषयवस्तु एवं भाषिक विश्लेषण; हिन्दी ब्लॉग लेखन-प्रकाशन।

इकाई-4 हिन्दी भाषा शिक्षण और ई-लर्निंग, ई-पाठशाला; हिन्दी भाषा और ई-गवर्नेंस; साइबर क़ानून; राजभाषा हिन्दी के प्रसार में कंप्यूटर-कृत हिन्दी भाषा की भूमिका।

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर – संतोष गोयल
- तकनीकी सुलझनें – बालेन्दु शर्मा दाधीच
- कंप्यूटर सिद्धांत और तकनीक – राजेन्द्र कुमार
- हिन्दी कम्प्यूटरीकरण – डॉ॰ एहतिशाम अज़ीज़
- कंप्यूटर फंडामेंटल्स – प्रदीप सिन्हा, प्रीती सिन्हा
- कंप्यूटर प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेटिंग गाइड – शंशाक

सेमेस्टर-II MDC-2

B23-HIN-204 हिन्दी साहित्य का इतिहास

क्रेडिट : 3 अंक : 75

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 50, आंतरिक मूल्यांकन : 25

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी भाषा और साहित्य के इतिहास से परिचय। साहित्येतिहास दृष्टि का विकास।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

204.1 हिन्दी साहित्य के विभिन्न पड़ावों, आन्दोलनों की जानकारी।

204.2 मध्यकाल के विभिन्न सम्प्रदायों की दार्शनिक पृष्ठभूमि का ज्ञान।

204.3 साहित्येतिहास लेखन के महत्व एवं लेखन की प्रक्रिया का परिचय।

204.4 भारतीय इतिहास के परिवर्तनों व उसके साहित्य पर पड़े प्रभावों की पहचान।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **आलोचनात्मक प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से पांच प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 30 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से पांच प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा; हिन्दी साहित्य के इतिहास के प्रमुख ग्रन्थों का परिचय; हिन्दी साहित्येतिहास का काल विभाजन और नामकरण।

इकाई-2 हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि और परिवेश; आदिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ; रासो काव्य परम्परा।

इकाई-3 भक्ति आंदोलन उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण; भक्तिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ; भक्तिकाल स्वर्णयुग।

इकाई-4 रीतिकाल की पृष्ठभूमि और परिवेश; रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ; हिन्दी नवजागरण काल की पृष्ठभूमि और परिवेश।

सहायक पुस्तकें

- साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय
- हिन्दी साहित्य का इतिहास – (सं०) डॉ० नगेन्द्र
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
- हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – अवधेश प्रधान
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी

सेमेस्टर-III CC-3, MCC-4

B23-HIN-301 हिन्दी गद्य साहित्य

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी गद्य साहित्य से परिचित करवाना। कथा साहित्य अध्ययन दृष्टि निर्मित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

301.1 हिन्दी गद्य की समझ विकसित होगी।

301.2 हिन्दी गद्य साहित्य की विशिष्टता का बोध।

301.3 हिन्दी कहानियों की संरचना व शिल्प का बोध।

301.4 भारतीय मध्यवर्ग, किसान व अन्य वर्गों की कहानी में उपस्थिति का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 12 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम में से आंतरिक विकल्प सहित तीन प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 30 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना एवं विषयवस्तु पर केंद्रित सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) व्याख्या एवं लघुत्तरी प्रश्नों के लिए

उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'); गुंडा (जयशंकर प्रसाद); पूस की रात (प्रेमचन्द); पाजेब (जैनेन्द्र कुमार); परदा (यशपाल); पहाड़ (निर्मल वर्मा); अमृतसर आ गया है... (भीष्म साहनी); वापसी (उषा प्रियंवदा)।

(ख) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

हिन्दी गद्य साहित्य परम्परा का प्रवर्तन; हिन्दी उपन्यास : उद्भव, विकास और विशेषताएँ; हिन्दी कहानी : उद्भव, विकास और विशेषताएँ; हिन्दी नाटक : उद्भव, विकास और विशेषताएँ; हिन्दी निबन्ध : उद्भव, विकास और विशेषताएँ; हिन्दी जीवनी : उद्भव, विकास और विशेषताएँ।

सहायक पुस्तकें

- कहानी की बात – मार्कण्डेय
- हिन्दी कहानी का विकास – मधुरेश
- कहानी : अनुभव और शिल्प – जैनेन्द्र
- हिन्दी कहानी का इतिहास – गोपाल राय
- नई कहानी : संवेदना और स्वरूप – राजेन्द्र यादव
- आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण – डॉ॰ विजयमोहन सिंह

सेमेस्टर-III MCC-5

B23-HIN-302 हिन्दी उपन्यास

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी उपन्यास से परिचय। कथा साहित्य अध्ययन दृष्टि निर्मित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

302.1 हिन्दी उपन्यास की समझ विकसित होगी।

302.2 हिन्दी उपन्यास साहित्य की विशिष्टता का बोध।

302.3 हिन्दी उपन्यासों की संरचना व शिल्प का बोध।

302.4 भारतीय मध्यवर्ग, किसान व अन्य वर्गों की उपन्यासों में उपस्थिति का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 12 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम में से आंतरिक विकल्प सहित तीन प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 30 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) व्याख्या के लिए

आपका बंटी (उपन्यास) – मन्नू भण्डारी

(ख) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

उपन्यास : अर्थ, परिभाषा और तत्व; हिन्दी उपन्यास : उद्‌भव और विकास; मनोविश्लेषणवादी उपन्यास; सामाजिक-यथार्थवादी उपन्यास; ऐतिहासिक उपन्यास; प्रगतिवादी उपन्यास; आँचलिक उपन्यास; 'आपका बंटी' उपन्यास में चित्रित समस्याएं; 'आपका बंटी' उपन्यास के प्रमुख पात्र; 'आपका बंटी' उपन्यास की तात्विक समीक्षा; 'आपका बंटी' उपन्यास में चित्रित समाज और स्त्री जीवन; 'आपका बंटी' उपन्यास का यथार्थ।

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी कथा साहित्य – गोपाल राय
- हिन्दी उपन्यास का इतिहास – गोपाल राय
- आज का हिन्दी उपन्यास – डॉ० इन्द्रनाथ मदान
- हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र
- हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन – एम० एम० गणेशम
- आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण – डॉ० विजयमोहन सिंह

सेमेस्टर-III MDC-3

B23-HIN-303 हिन्दी गद्य साहित्य

क्रेडिट : 3 अंक : 75

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 50, आंतरिक मूल्यांकन : 25

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी गद्य साहित्य से परिचय। कथा साहित्य अध्ययन दृष्टि निर्मित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

303.1 हिन्दी गद्य की समझ विकसित होगी।

303.2 हिन्दी गद्य साहित्य की विशिष्टता का बोध।

303.3 हिन्दी कहानियों की संरचना व शिल्प का बोध।

303.4 भारतीय मध्यवर्ग, किसान व अन्य वर्गों की कहानी में उपस्थिति का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 12 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 20 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना एवं विषयवस्तु पर केंद्रित चार प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 2 प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 10 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) व्याख्या एवं लघुत्तरी प्रश्नों के लिए

उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'); गुंडा (जयशंकर प्रसाद); पूस की रात (प्रेमचन्द); पाजेब (जैनेन्द्र कुमार); परदा (यशपाल); पहाड़ (निर्मल वर्मा); वापसी (उषा प्रियंवदा)।

(ख) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

हिन्दी गद्य साहित्य परम्परा का प्रवर्तन; हिन्दी उपन्यास : उद्भव, विकास और विशेषताएँ; हिन्दी कहानी : उद्भव, विकास और विशेषताएँ; हिन्दी नाटक : उद्भव, विकास और विशेषताएँ; हिन्दी निबन्ध : उद्भव, विकास और विशेषताएँ।

सहायक पुस्तकें

- कहानी की बात – मार्कण्डेय
- हिन्दी कहानी का विकास – मधुरेश
- कहानी : अनुभव और शिल्प – जैनेन्द्र
- हिन्दी कहानी का इतिहास – गोपाल राय
- नई कहानी : संवेदना और स्वरूप – राजेन्द्र यादव
- आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण – डॉ॰ विजयमोहन सिंह

सेमेस्टर-IV CC-4, MCC-6

B23-HIN-401 आधुनिक हिन्दी कविता

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

आधुनिक हिन्दी कविता से परिचय। आधुनिक हिन्दी कविता के अध्ययन की दृष्टि निर्मित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

401.1 आधुनिक हिन्दी कवियों एवं कविता से परिचय।

401.2 आधुनिक हिन्दी कविता के काव्य-सरोकार व शिल्प का बोध।

401.3 आधुनिक हिन्दी कविता की आलोचनात्मक समझ का विकास।

401.4 आधुनिक कविता की विभिन्न धाराओं की विशिष्टताओं की पहचान।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को दो की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक प्रश्न के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 12 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम में से आंतरिक विकल्प सहित तीन आलोचनात्मक प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 30 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) व्याख्या के लिए

मैथिलीशरण गुप्त	: दोनों ओर प्रेम पलता है, सखि, वे मुझसे कहकर जाते
जयशंकर प्रसाद	: सब जीवन बीता जाता है, बीती विभावरी, जाग री!
सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'	: कुकुरमुत्ता, तोड़ती पत्थर, भिक्षुक
नागार्जुन	: बादल को गिरते देखा, अकाल और उसके बाद

(ख) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

आधुनिक काल की पूर्वपीठिका; भारतेन्दु युगीन काव्य : प्रतिनिधि कवि और रचनागत वैशिष्ट्य; द्विवेदी युगीन काव्य : प्रतिनिधि कवि और रचनागत वैशिष्ट्य; नवजागरण चेतना के विविध उत्कर्ष [छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद] : प्रतिनिधि कवि और रचनागत वैशिष्ट्य; साठोत्तरी काव्य-आन्दोलन : स्वरूप एवं रचनागत वैशिष्ट्य; समकालीन कविता : परिचय एवं रचनागत वैशिष्ट्य।

सहायक पुस्तकें

- छायावाद – नामवर सिंह
- छायावाद का पतन – देवराज
- हिन्दी काव्य का इतिहास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- समकालीन हिन्दी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृतियां – नामवर सिंह
- आधुनिक कविता का पुर्नपाठ – करुणाशंकर उपाध्याय

सेमेस्टर-IV MCC-7

B23-HIN-402 हिन्दी नाटक और रंगमंच

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी नाटक व रंगमंच से परिचय। हिन्दी नाटक के अध्ययन की दृष्टि निर्मित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

402.1 हिन्दी के प्रमुख नाटक व नाटककारों से परिचय।

402.2 हिन्दी रंगकर्म के विभिन्न पहलुओं का बोध।

402.3 नाटक व रंगमंचीय अध्ययन की आलोचना दृष्टि का विकास।

402.4 नाट्य लेखन व उसके प्रस्तुतीकरण के विविध पहलुओं के बारे में ज्ञान।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को दो की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक प्रश्न के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 12 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम में से आंतरिक विकल्प सहित तीन आलोचनात्मक प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 30 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) व्याख्या के लिए

अंधेर नगरी (नाटक) – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

आधे-अधूरे (नाटक) – मोहन राकेश

(ख) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

नाटक और रंगमंच : स्वरूप और संरचना; नाटक के तत्व; नाटक के प्रकार; नाटक की भारतीय परम्परा; नाटक की पाश्चात्य परम्परा; पारसी थियेटर; हिन्दी नाटक का विकास; हिन्दी नाटक : आधुनिकताबोध और प्रयोगधर्मिता; हिन्दी रंगमंच का विकास; रंगमंच और भाषा।

सहायक पुस्तकें

- रंग दर्शन – नैमिचन्दर जैन
- हिन्दी नाटक – बच्चन सिंह
- प्रसाद का नाट्य कर्म – सत्येन्द्र तनेजा
- आज के रंग नाटक – सं॰ सुरेश अवस्थी
- नाटक और रंगमंच – सं॰ गिरिश रस्तोगी
- हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास – दशरथ ओझा

सेमेस्टर-IV MCC-8

B23-HIN-403 कथेतर गद्य साहित्य

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी डायरी, रिपोर्ताज, साक्षात्कार व यात्रा साहित्य से परिचित करवाना। साहित्यिक रुचि विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

403.1 हिन्दी कथेतर साहित्य से परिचय।

403.2 हिन्दी कथेतर गद्य साहित्य की विशिष्टता का बोध।

403.3 हिन्दी कथेतर साहित्य की संरचना व शिल्प का बोध।

403.4 हिन्दी कथेतर साहित्य की आलोचनात्मक समझ का विकास।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 12 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम में से रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना, विषयवस्तु, सामाजिक सरोकार, कलागत वैशिष्ट्य, प्रासंगिकता आदि से संबंधित आंतरिक विकल्प सहित तीन प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 30 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना एवं विषयवस्तु पर केंद्रित सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) व्याख्या के लिए

यात्रा-साहित्य : **चीड़ो पर चाँदनी** (चीड़ो पर चाँदनी अंश) – निर्मल वर्मा

(ख) आलोचनात्मक एवं लघुत्तरीय प्रश्नों के लिए

रेखाचित्र : माटी की मूरतें (रामवृक्ष बेनीपुरी)

संस्मरण : **पथ के साथी** (महादेवी वर्मा)

सहायक पुस्तकें

- चीड़ो पर चाँदनी – निर्मल वर्मा
- हिन्दी गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी
- हिन्दी कथेतर गद्य परम्परा – दयानिधि मिश्र
- छायावादोत्तर गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- हिन्दी गद्य का विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- काल के कपाल पर हस्ताक्षर – राजेन्द्र चन्द्रकान्त राय

सेमेस्टर-IV DSE-1

B23-HIN-404 समाचार लेखन एवं संपादन कला

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

समाचार लेखन से परिचय करवाना। संपादन कला विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

404.1 समाचार लेखन व प्रस्तुतिकरण से अवगत।

404.2 समाचारों के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान।

404.3 समाचारों के प्रति आलोचनात्मक व खोजी दृष्टि का विकास ।

404.4 प्रिंट माध्यमों के लिए संपादन-लेखन क्षमता का विकास।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 40 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 20 अंक का होगा।
- **प्रायोगिक प्रश्न** – पाठ्यक्रम की प्रकृति के अनुरूप किसी एक विषय पर समाचार लेखन [स्थानीय, राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय मुद्दों पर] संबंधी विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 10 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु समाचार लेखन के कुछ उदाहरण– समसामयिक, पर्यावरण, परिस्थितिकी, शिक्षा, साहित्य, आर्थिक, राजनीतिक, विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं अन्य व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 समाचार : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप; समाचार लेखन के सिद्धान्त; समाचार के प्रमुख तत्व; समाचार के प्रकार।

इकाई-2 समाचार संकलन की प्रक्रिया; समाचार संकलनकर्ता के आवश्यक गुण; समाचार लेखन-प्रक्रिया; समाचार संपादन।

इकाई-3 संपादन : अवधारणा और उद्देश्य; संपादन के आधारभूत तत्व; सम्पादन कला के सामान्य सिद्धांत; सम्पादकीय का सामाजिक प्रभाव।

इकाई-4 संपादक, संपादक मण्डल और उपसंपादक; सम्पादकीय पृष्ठ की रचना; संपादन तकनीकी पक्ष : टाइप चयन, प्रूफरीडिंग, पृष्ठसज्जा।

सहायक पुस्तकें

- समाचार लेखन – पी॰ के॰ आर्य
- संपादन कला – एन॰ सी॰ पंत
- संचार भाषा हिन्दी – सूर्य प्रसाद दीक्षित
- पत्रकारिता एवं संपादन कला – नेहा वर्मा
- आकाशवाणी समाचार की दुनिया – संजय कुमार
- समाचार संकलन और संपादन कला – डॉ॰ जितेन्द्र वत्स, डॉ॰ किरणबाला

सेमेस्टर-IV CCM-4 (VOC)

B23-HIN-405 प्रयोजनमूलक हिन्दी

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी भाषा के व्यावहारिक रूप से परिचय। तकनीकी भाषाई कौशल का विकास।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

405.1 कार्यालयी हिन्दी से परिचय होगा।

405.2 हिन्दी भाषा लेखन कौशल में सक्षम।

405.3 हिन्दी भाषा के विविध रूपों व स्वरूप की समझ।

405.4 तकनीकी क्षेत्र में हिन्दी भाषा के विकास से परिचय।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 40 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 20 अंक का होगा।
- **प्रायोगिक प्रश्न** – पाठ्यक्रम में से कार्यालयी पत्र-लेखन संबंधी विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। यह खण्ड कुल 10 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु पत्र-लेखन और ई-मेल संबंधी व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 हिन्दी भाषा के विविध रूप; संघ की राजभाषा नीति; वर्तमान में हिन्दी की संवैधानिक स्थिति; राजभाषा हिन्दी के क्रियान्वयन की समस्याएँ।

इकाई-2 कार्यालयी हिन्दी : स्वरूप, क्षेत्र और उद्देश्य; सामान्य हिन्दी और कार्यालयी हिन्दी में सम्बन्ध और अन्तर; कार्यालयी हिन्दी की स्थिति और संभावनाएँ।

इकाई-3 कार्यालयी हिन्दी लेखन [पत्र-लेखन और ई-मेल]; पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप, उपयुक्तता और विशेषताएँ; पारिभाषिक शब्दावली एवं उनका व्यावहारिक प्रयोग।

इकाई-4 हिन्दी के प्रयोग के लिए तकनीकी सुविधाएँ; राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार में कम्प्यूटर की भूमिका; राजभाषा हिन्दी और कम्प्यूटर स्थानीयकरण : वर्तमान और भविष्य; ई-गवर्नेंस।

सहायक पुस्तकें

- प्रयोजनपरक हिन्दी – ब्रजपाल
- प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे
- प्रयोजनमूलक हिन्दी – माधव सोनटक्के
- प्रयोजनमूलक हिन्दी – कैलाश चन्द्र भाटिया
- कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा
- प्रारूपण शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि – राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव